18–4–67 ओमशांति रात्रीक्लास

किसकी याद में बैठे हो और किसकी इंतजार में बैठे हो?(शिवबाबा की याद में, बापदादा की इंतजार में बैठे हैं) याद शिवबाबा को करना है। इस समय बापदादा का इंतजार है ;क्योंकि बाप को सवारी जरूर चाहिए। बिगर दादा के तो आ नहीं सकते। यह उंच ते उंच है। इनकी सवारी कितनी साधारण है। बाप कहते हैं मैं आता हूँ पतित देश में। यह पराये रावण का देश है। यह कोई समझते नहीं कि हम कोई रावण के पतित देश में हैं। तुम हो पावन बनने के देश में। पावन बनने का देश अलग हो गया। उसको संगम कहा जाता है। और युगों में यह बातें बोलने की नहीं होती। इस संगमयुग का सिवाय तुम ब्राह्मणों के और कोई को पता नहीं है। तुम संगमयुग को भूलते हो तब मुरझाते हो। समझते हो संगमयुग पर हैं तो खुशी आवे। भगवान पढ़ाते हैं अभी हम घर जाते हैं यह याद रहे तो भी खुशी आवे। भगवान पढ़ाते हैं। अभी हम घर जाते हैं। यह याद रहे तो भी खुशी है। हम गॉड फादरली स्टुडेंट हैं। तो जरूर देवता बनना है। अंदर खुशी हो और बाप की याद रहे और पुरुषार्थ भी रहे कि कहीं हमारी भूल–चूक नहीं हो। अपने उपर खबरदारी रखनी होती है। अपने उपर बड़ी खबरदारी रखनी है। रजिस्टर खराब हुआ तो दुःख होगा। बड़ी मेहनत लगती है। स्त्री को पुरुष का भान, पुरुष को स्त्री का भान मिट जावे इसमें है मेहनत। गंधर्व विवाह तो इसीलिए करते हैं कि हम पवित्र रहकर दिखावेंगे। आदत पड़ी नहीं है ;परंतु जो इकट्ठे रहते आये हैं स्त्री–पुरुष उनको जास्ती मेहनत लगती है। अगर वो पवित्र रहते रहे तो सर्विसेबुल भी तीखे हो जावें तो उंच पद पा सकत हैं। उनको आफरीन है। कुमार–कुमारी तो रह सकते हैं। भल कहेंगे कि कुमार–कुमारी भी खराब हो जाते हैं। इस अवस्था में अगर अडोल साक्षी होकर ड्रामा की ढाल पर चलें ,शरीर निर्वाह भी करें ,सर्विस भी करते रहें तो पद बहुत उंचा पा सकते हैं। जैसे अगम–निगम कहते हैं कि प्रोग्राम बनाता हूँ कि गांव2 में पैदल सर्विस करता जाउं। डर की तो कोई बात नहीं। पैसा आदि रहता नहीं है। कहां भी जाना यह दिखाना है। पैसे नहीं लेने हैं। अगर कहें तो कहो हेड ऑफिस में भेज दो। मनाह नहीं करना है। समझाया है तब देते हैं। तो कुछ बीज बो देंगे। कमाई भारी हो जावेगी। यह सर्विस का प्लान अच्छा है। दो/तीन हैं जिनको यह शौक है। लक्ष्मण कुरुक्षेत्र वाले को भी बहुत शौक है। लिखते हैं कि यह जिस्मानी सर्विस छुड़वाओ तो मैं रुहानी सर्विस में लग जाउं। दोनों स्त्री–पुरुष जोड़ी ही इस सर्विस में रहें। गृहस्थ व्यवहार में रहकर योग में रहकर सर्विस करते रहें तो उनकी महिमा बड़ी है। जोड़ियां बहुत चाहिए।..... उनके लिए गवर्मेंट से खर्चा मिल सकता है। एक ड्राइवर हो और उनको कोई किफायती गाड़ी मिल जावे तो ...प्रदर्शनी (को) साथ में लेकर चक्कर लगाते रहें। गांव2 में फिरत रहें। एक दिन ऐसा भी निकलेगा। सर्विस का शौक चाहिए। बाप कहते हैं कि तुम बेहद के बाप के बने हो तो तुमको अशरीरी होकर बाप को याद करना चाहिए। यह तुम्हारी कमाई है। भक्तों की कमाई नहीं है। कमाई तुम्हारी होती है। जितना याद करेंगे उतनी ही कमाई है। फिर भी बहुतों से मेहनत पहुंचती नहीं है। कमाई में कब मनुष्य आराम नहीं चाहते हैं। बेहद की कमाई है ना। माया चक्र लगाकर उल्टा–सुल्टा काम कराती रहेगी जब तक कि कर्मातीत अवस्था बने। उसमें तो सोये पड़े हैं। फिर मालूम पड़ेगा अभी तो विनाश सामने खड़ा है। .....तुम देखेंगे कैसे बाम्ब्स गिरते हैं। भारत में तो खून की नदियां बहनी है। वो बाम्ब्स से एक/दो को खतम कर देंगे। नैचुरल कैलेमिटीज होंगी। मुसीबत सबसे जास्ती भारत पर है। कोई2 भक्ति में बहुत पैसे .....हैं तो समझते हैं कि यह बच्चियां क्या पढ़ावेंगी?समझते नहीं कि इनको पढ़ाने वाला बाप है। ....पढ़ा–लिखा हुआ है वा धन है तो लड़ने लग जाते हैं।.....

.....गुडनाइट।